यूनिट – 5

- रोजगार – संवृद्धि, अनौपचारिकरण एंव अन्य मुद्दे स्मरणीय बिन्दु :–

1) कार्य हमारे जीवन में व्यक्तिगत तथा सामाज के सदस्य के रूप में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2) श्रमिक :– वह व्यक्ति जो अपनी आजीविका अर्जित करने के लिये किसी उत्पादक रोजगार में लगा है।

3) उत्पादक क्रियाऐं :– वे क्रियाऐं हैं जिन्हें वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए किया जाता है और जिससे आय का सृजन होता है।

4) श्रम बल :– श्रम बल से अभिप्राय श्रमिकों की उस संख्या से है। जो वास्तव में कार्य कर रहे हैं या कार्य करने के इच्छुक हैं।

5) कार्यबल :– कार्यबल से अभिप्राय वास्तव में कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या से है। इसमें इन व्यक्तियों को शामिल नही किया जाता जो कार्य करने के इच्छुक तो हैं परन्तु बेरोजगार हैं।

6) सहभागिता की दर :– इसका अर्थ है उत्पादन क्रिया में वास्तव में भाग लेने वाली जनसंख्या का प्रतिशत।

सहभागिता दर :– $\frac{\text{कुल कार्यबल}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$

श्रमिकों के प्रकार
- स्वनियोजित
- भाड़े के मजदूर
  - अनियमित मजदूरी
  - नियमित मजदूर

7) श्रम आपूर्ति :– इससे अभिप्राय विभिन्न मजदूरी दरों के अनुरूप श्रम की आपूर्ति से है। इसे मनुष्य दिनों के रूप में मापा जाता है। एक मनुष्य दिन से अभिप्राय 8 घंटे का काम है।

8) देश की जनसंख्या के पाँच में से दो व्यक्मि विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में लगे हैं। मुख्यतः ग्रामीण पुरूष देश के श्रमबल का सबसे बड़ा वर्ग है।

9) भारत में अधिकांश श्रमिक स्वनियोजक हैं। अनियमित दिहाड़ी मजदूर तथा नियमित वेतनभोगी कर्मचारी मिलकर भी भारत की समस्त श्रमशक्ति के अनुपात के आधे से भी कम रह जाते हैं।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

10) भारत में कुल श्रम बल का लगभग पाँच में से तीन श्रमिक कृषि और संबंद्ध कार्यों से ही अपनी आजीविका का प्राप्त करता है।

11) नौकरी रहित संवृद्धि :– इससे अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि दर में तो वृद्धि होती है परन्तु रोजगार में उसी अनुपात में वृद्धि नही होती।

12) श्रम बल का अनियमतीकरण :– इससे अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें समय के साथ कुल श्रमबल में भाड़े पर लिए गए आकस्मिक श्रमिकों के प्रतिशत में बढ़ने की प्रवृत्ति पाई जाती है।

13) श्रमबल का अनौपचारिक :– इसका अभिप्राय उस स्थिति से है जब लोगों में अर्थव्यवस्था के औपचारिक क्षेत्र के स्थान पर अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर अधिक पाने की प्रवृति पाई जाती है।

14) बेरोजगारी :– बेरोजगारी से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें योग्य एंव इच्छित व्यक्ति को प्रचलित मजदूरी पर कार्य नहीं मिलता है।

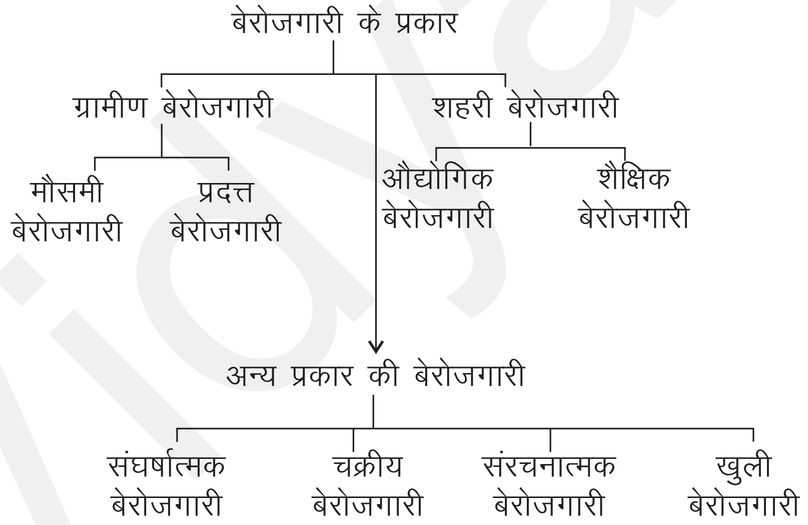

15) बेरोजगारी के कारण :–,

1. धीमी आर्थिक विकास
2. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
3. दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली
4. अल्प विकसित कृषि क्षेत्र
5. धीमा औद्यागिक क्षेत्र

https://www.evidyarthi.in

6. लघु एंव कुटीर उद्योगों का अभाव
7. दोषपूर्ण रोजगार नियोजन
8. धीमी पूँजी निर्माण दर

16) बेरोजगारी की समस्या को हल करने के उपाय :–
1. सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि
2. जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण
3. कृषि क्षेत्र का विकास
4. लघु व कुटीर उद्योगों का विकास
5. आधारिक संरचना में सुधार
6. विशेष रोजगार कार्यक्रम
7. तीव्र औद्योगीकरण

17) गरीबी व बेरोजगारी उन्मूलन विशेष कार्यक्रम :–
1. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम। (मनरेगा)
2. स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना।
3. प्रधानमंत्री रोजगार योजना
4. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना।

- **एक अंक वाले प्रश्न**

1. श्रमिक कौन है ?
2. सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित करो ?
3. कार्य बल क्या है ?
4. सहभागिता दर से आप क्या समझते हैं ?
5. रोजगार रहित संवृद्धि दर किसे कहते हैं ?
6. रोजगार का अनियमितीकरण क्या है ?
7. प्रद्दन्न बेरोजगारी क्या होती है ?
8. अनियमित मजदूरों को परिभाषित करो ?
9. स्वनियोजित श्रमिक कौन हैं ?
10. कार्यबल के अनौपचारिककरण से आप क्या समझते हैं ?

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

- तीन चार अंक वाले प्रश्न
  1. भारत में कार्यबल के विभिन्न क्षेत्रों में वितरण के प्रारूप का अन्वेषण कीजिए ?
  2. श्रमबल और कार्यबल के बीच अन्तर स्पष्ट करो ?
  3. बेरोजगारी के दोषपूर्ण प्रभाव बताइए ?
  4. बेरोजगारी को नियंत्रित करने के कुछ सामान्य उपाय बताओ ?
  5. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम पर टिप्पणी लिखो ?
  6. महिलाओं का सशक्तिकरण उनके रोजगार से संबंधित है। टिप्पणी लिखों ।
- अंक वाले प्रश्न
  1. बेरोजगारी के विभिन्न प्रकार कौन से हैं ?
  2. बेरोजगारी के प्रमुख कारणों की व्याख्या कीजिए ?
  3. श्रम के पेशेवर ढाँचे की व्याख्या कीजिए ?
  4. संगठित क्षेत्र क्या है ? संगठित क्षेत्र में रोजगार के कम होने के कारण लिखिए ?
- एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर
  1. श्रमिक वह व्यक्ति है, जो अपनी आजीविका अर्जित करने के लिए किसी उत्पादक रोजगार में लगा है।
  2. एक अर्थव्यवस्था में एक लाख वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मौद्रिक मूल्य सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है ?
  3. आर्थिक क्रियाओं से जुड़े व्यक्ति श्रमिक कहलाते हैं।
  4. सहभागिता की दर को उत्पादन क्रिया में वास्तव में भाग लेने वाली जनसंख्या प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।
  5. रोजगार रहित संवृद्धि से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि दर में तो समग्र वृद्धि होती है, परन्तु रोजगार के अवसरों में उसी अनुपात वृद्धि होती है, परन्तु रोजगार के अवसरों में उसी अनुपात में वृद्धि नही होती।
  6. रोजगार के अनियमतिकरण से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें समय के साथ कुल श्रमबल में भाड़े पर लिए गए आकास्मिक श्रमिकों के प्रतिशत में बढ़ने की प्रवृति पाई जाती है।

https://www.evidyarthi.in

7. प्रछन्न बेरोजगारी वह स्थिति है जहाँ श्रमिक कार्य करते हुए नजर आते हैं परन्तु उनकी सीमांत उत्पादकता शून्य ऋणात्मक होती है।

8. वे व्यक्ति जिन्हें उनके नियोजक, नियमित रूप से कार्य में नहीं लगाते तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा के लाभ प्राप्त नहीं होते अनियमित मजदूर कहलाते हैं।

9. वह व्यक्ति है जो अपने ही व्यापार में कार्य करता है तथा स्वनियोजन पुरस्कार के रूप में उन्हें लाभ प्राप्त है, स्वनियोजित श्रमिक कहलाता है।

10. अनौपचारिकरण से अभिप्राय उस स्थिति है जब लोगों में अर्थव्यवस्था के औपचारिक क्षेत्र के स्थान पर अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर अधिक पाने की प्रवृति पाई जाती है।

https://www.evidyarthi.in

यूनिट – 5

मृदास्फीति – समस्या व नीतियाँ

सामान्य शब्दों में मुद्रास्फीति का तात्पर्य कीमतों का बढ़ना है। मुद्रास्फीति कीमत स्तर में लगातार होने वाली वृद्धि है। इससे मुद्रा की क्रय–शक्ति में गिरावट आ जाती है। मुद्रास्फीति में सभी वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि नही होती है परंतु कई वस्तुओं के मूल्य में गिरावट भी आती है। मुद्रास्फीति के विपरीत स्थिति को अवस्फीति कहते हैं।

मुद्रास्फीति दो प्रकार की होते है।

1) माँग प्ररित मुद्रास्फीति   2) लागतजन्य मुद्रास्फीति

1) माँग प्रेरित मुद्रास्फीति :– जब वस्तुओं की माँग उनकी पूर्ति से अधिक हो, उस कारण मूल्य–स्तर में वृद्धि से तो इसे माँग प्रेरित मुद्रास्फीति कहते हैं।

मांग प्रेरित मुद्रास्फीति के कारण :–

1) मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि
2) जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
3) सार्वजनिक व्यय में वृद्धि
4) काले धन में वृद्धि
5) साख में विस्तार

2) लागत जन्य मुद्रास्फीति :– जब कीमतों में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण होती है तो इस प्रकार के मुद्रास्फीति को लागत जन्य मुद्रास्फीति कहते हैं। उस प्रकार की मुद्रास्फीति में वस्तुओं की पूर्ति में भी कमी आती है।

लागत जन्य मुद्रास्फीति के कारण :–

1) उत्पादन में कमी
2) मजदूरी दर में वृद्धि
3) करों में वृद्धि
4) पेट्रोलियम तेल के कीमत में वृद्धि

मुद्रास्फीति के प्रभाव / मुद्रास्फीति एक समस्या :–

1) मुद्रास्फीति आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया को रोकता है।
2) क्रय शक्ति में कमी होने से गरीबी में वृद्धि।

https://www.evidyarthi.in

3) जमाखोरी एंव कालाबाजारी को बढ़ावा।

4) जीवन की गुणवत्ता में कमी।

5) प्रोजेक्ट के कीमत में वृद्धि

मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की नीतियाँ

- राजकोषिय नीति
  1) सार्वजनिक व्यय पर नियंत्रण
  2) कर की दरों में वृद्धि
  3) सार्वजनिक ऋण में वृद्धि
  4) घाटे की वित्र व्यवस्था पर नियंत्रण
- मौद्रिक नीति
  1) मुद्रा की आपूर्ति पर नियंत्रण
  2) ब्याज की दर में वृद्धि
  3) साख की आपूर्ति में कमी
- अन्य उपाय
  1) कीमत नियंत्रण एंव ग्रामीण राशनिंग
  2) जमाखोरी एंव कालाबाजारी पर नियन्त्रण
  3) मौद्रिक मजदूरी पर नियंत्रण
  4) आयात व उत्पादन में वृद्धि
- एक अंक वाले प्रश्न

1) मुद्रास्फीति का आशय है :–

   1) वस्तुओं का मूल्य अत्याधिक होना।

   2) वस्तुओं के मूल्य में निरंतर वृद्धि होना।

   3) मुद्रा के मूल्य में वृद्धि होना।

   4) इनमें से कोई नहीं।

2) (CPI) आधारित मुद्रास्फीति सूचकांक की शुरूआत हुई थी

   1) 2010 2) 1995 3) 200 4) 2001

https://www.evidyarthi.in

3) मुद्रास्फीति को परिभाषित करें।

4) मुद्रास्फीति दर से आप क्या समझते हैं।

5) भारत में मौद्रिक नीतिओं पर कौन नियंत्रण रखता है ?

6) मांग प्रेरित मुद्रास्फीति से क्या समझते हैं ?

7) लागत अन्य मुद्रास्फीति का आकलन किस सूचकांक की सहायता से की जाती है।?

   1) उपभोक्ता कीमत सूचकांक 2) थोक मूल्य सूचकांक

   3) खुदरा मूल्य सूचकांक 4) बाजार के शक्तियों द्वारा

- 3 / 4 अंक वाले प्रश्न

1) किसी अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति के पड़ने वाले प्रमुख प्रभावों को बताएं।

2) ''मुद्रास्फीति बढ़ने से गरीबी में वृद्धि होती है ''क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? व्याख्या करो ?

3) मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के राजकोषिय नीतियों की व्याख्या करें।

4) मुद्रास्फीति में निम्न पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

   1) लेनदार 2) देनदार 3) निश्चित आय वाले व्यक्ति 4) व्यवसायी

- 6 अंक वाले प्रश्न

1) मुद्रास्फीति के प्रमुख कारणों का वर्णन करें ।

2) मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या करें।

   1) ''थोडी मात्रा से मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था के लिए टॉनिक का कार्य करती है'' स्पष्ट करे।

   2) उन परिस्थितियों की विवेचना करें जिसमें द्वारा उठाए गए कदमों के बावजूद मुद्रास्फीति में कमी नही आती है ?

   3) अधिक मुद्रास्फीति दर विदेशी निवेश पर विपरीत प्रभाव डालता है। भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट करें।

- एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1) b 2) a

https://www.evidyarthi.in

3) मुद्रास्फीति का आशय मूल्स स्तर में निरंतर वृद्धि से मुद्रा की क्रय शक्ति में आने वाली कमी से है।

4) मुद्रास्फीति दर, कीमत मुद्रास्फीति को मापने का प्रमुख साधन है। यह वर्ष में सामान्य कीमत स्तर के सूचकांक में प्रतिशत परिवर्तन है।

5) भारतीय रिजर्व बैंक ?

6) जब वस्तुओं की मांग उनकी पूर्ति की तुलना में अधिक हो एंव उस कारण मूल्य स्तर में वृद्धि हो तो उस प्रकार की मुद्रास्फीति को मांग प्रेरित मुद्रास्फीति कहते है।

7) लागत अन्य मुद्रास्फीति तब उत्पन्न होती है। जब कीमतों में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण होती है।

8) 'b'

https://www.evidyarthi.in